प्रेस विज्ञप्ति

पतंजलि ग्रामोद्योग का 'दिव्य जल' बाजार में

शून्य तकनीकी से बने विदेशी सामानों का कड़ी चुनौती

लखनऊ, 19 सितम्बर।

आज योगऋषि स्वामी रामदेवजी महाराज ने पतंजलि ग्रामोद्योग के स्वदेशी अभियान को आगे बढ़ाते हुए लखनऊ इकाई से निर्मित **'दिव्य जल'** के प्लान्ट का उद्घाटन किया। जिसकी क्षमता अभी 21 हजार ली. प्रति दिन है। इस क्षमता को शीघ्र ही 1 लाख ली. प्रति दिन कर दिया जाएगा। यह 'दिव्य जल' के नाम से यह शुद्ध ड्रिंकिंग वाटर 1 ली. के पैक में उपलब्ध होगा।

इस अवसर पर स्वामी जी ने अपना संकल्प दोहराते हुए आह्वान किया कि **शून्य तकनीकि से बने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करें और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाये।** विदेशी कम्पनीयों को हर्बल कास्मेटिक एवं हैल्दी फ्रूड प्रोडक्टस के क्षेत्र में टक्कर देने के बाद अब पतंजलि ग्रामोद्योग शुद्ध ड्रिंकिंग वाटर 'दिव्य जल' प्रस्तुत कर चुनौती देगा। इस दिव्य जल को गुणवत्ता के हर स्तर के कड़े मापदंडों पर परिशुद्ध किया गया है।

पतंजलि ग्रामोद्योग की मूल ड्रिंकिंग वाटर इकाई कनखल में स्थित है लेकिन स्वामी जी के आगामी लोक सभा चुनाव तक पतंजलि हरिद्वार ना लौटने के संकल्प के कारण 'दिव्य जल' को लखनऊ इकाई से उपलब्ध कराने का स्वदेशी अभियान शुरु किया गया है।

योगऋषि स्वामी रामदेवजी महाराज ने कहा कि देश अगर स्वदेशी और ईमानदारी के रास्ते पर चलता तो आज की आर्थिक असुरक्षा, अराजकता, अनिश्चिता, असंतुलन एवं दरिद्रता का सामना नहीं करना पड़ता। स्वदेशी का अभियान मूलतः महात्मा गांधी, तिलक, पं. रामप्रसाद बिस्मिल एवं भगत सिंह की डायरी में उल्लेखित मान्यताओं के अनुसार है। उनका भी मानना था की **स्वदेशी के रास्ते पर चलकर ही पूर्ण स्वावलम्बन प्राप्त किया जा सकता हैं** महात्मा गांधी ने खादी को केन्द्र में रखकर स्वदेशी अभियान शुरु किया था लेकिन दुर्भाग्य से स्वदेशी एवं ग्रामोद्योग का वह कार्य हासिये पर आ गया।

पतंजलि ग्रामोद्योग लघु एवं कुटीर उद्योग के माध्यम से स्वदेशी के कार्य को आगे बढ़ा रहा है। आगामी **2 अक्टूबर को** महात्मा गांधी की जयंती पर हरिद्वार में गांव के किसानों, मजदूरों एवं कारीगरों को **स्वदेशी विषमुक्त खेती एवं उद्योगों का प्रशिक्षण का राष्ट्रीय शिविर** आयोजित किया जायेगा। आगामी भविष्य में पतंजलि ग्रामोद्याग की **हर प्रांत में एक इकाई खोलने का संकल्प** है। इसमें जैविक खाद, कीटनाशक, गो आधारित खेती और उद्योग एवं लघु उद्योग का प्रशिक्षण एवं संबंधित सम्पूर्ण साहित्य उपलब्ध होगा।